भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3135
दिनांक 13, दिसम्बर 2024 को उत्तर के लिए

सखी निवास योजना

3135. श्री राजकुमार रोटः

क्या महिला और बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) केन्द्र प्रायोजित मांग आधारित सखी निवास योजना के तहत राजस्थान में अब तक कितने कामकाजी हॉस्टल खोले गए हैं;
- (ख) इनमें दी गई सुविधाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ग) गत पांच वर्षों में राजस्थान के लिए जारी बजट का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या कामकाजी महिलाएं रोजगार की तलाश में अपना घर छोड़कर राजस्थान के दक्षिणी आदिवासी बहुल क्षेत्र डूंगरपुर बांसवाड़ा मुख्यालय पर रहती हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ङ) क्या सरकार का वर्तमान मांग के अनुसार कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल खोलने का विचार है; और
- (च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (च): मिशन शक्ति के अंतर्गत सखी निवास योजना (कामकाजी महिला छात्रावास) एक मांग आधारित केन्द्र प्रायोजित योजना है जिसमें राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्थानीय जरूरतों के अनुसार अपनी आवश्यकता का मूल्यांकन करते हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ विचार-विमर्श के बाद कार्यक्रम अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) द्वारा उनके प्रस्तावों को अनुमोदित किया जाता है। इस योजना का उद्देश्य कामकाजी महिलाओं और उच्च शिक्षा/प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान पर आवास की उपलब्धता को बढ़ावा देना है साथ ही शहरी, अर्ध-शहरी और यहां तक कि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के लिए डे केयर सुविधा भी उपलब्ध कराना है, जहां महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर मौजूद हैं।

वर्तमान में, राजस्थान राज्य में 15 सखी निवास क्रियाशील हैं। राजस्थान राज्य सरकार द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार वर्तमान में डूंगरपुर और बांसवाड़ा मुख्यालयों में कोई सखी निवास कार्यशील नहीं है।

केन्द्र सरकार को पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत निधियां जारी करने के लिए राजस्थान राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।